भारत-न्यूजीलैंड मुक्त व्यापार समझौता: सुरक्षा उपायों के साथ रणनीतिक व्यापार विविधीकरण

UPSC प्रासंगिकता:

- **सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II:** अंतर्राष्ट्रीय संबंध, रणनीतिक साझेदारी।
- **सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III:** व्यापार नीति, निवेश, सेवा क्षेत्र, बाहरी क्षेत्र के सुधार।

खबरों में क्यों? भारत और न्यूजीलैंड ने एक मुक्त व्यापार समझौते (FTA) पर बातचीत के समापन की घोषणा की है, जिसके तहत न्यूजीलैंड भारतीय निर्यात के 100 प्रतिशत हिस्से पर शून्य-शुल्क पहुंच प्रदान करेगा और अगले 15 वर्षों में भारत में 20 बिलियन अमेरिकी डॉलर के प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (FDI) की सुविधा प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। इस समझौते का उद्देश्य भारत के संवेदनशील क्षेत्रों की रक्षा करते हुए व्यापार, निवेश, सेवाओं में सहयोग और लोगों के बीच आवाजाही को गहरा करना है।

पृष्ठभूमि: भारत की नई पीढ़ी की व्यापार रणनीति भारत-न्यूजीलैंड मुक्त व्यापार समझौता 2021 के बाद से भारत का सातवां व्यापार समझौता है और ऑस्ट्रेलिया तथा यूनाइटेड किंगडम के बाद 'फाइव आइज' (Five Eyes) देश के साथ तीसरा समझौता है। यह आपूर्ति श्रृंखला व्यवधानों, संरक्षणवाद और भू-राजनीतिक विखंडन की वैश्विक परिस्थितियों के बीच, भारत के व्यापारिक रक्षात्मक रुख से विकसित अर्थव्यवस्थाओं के साथ चुनिंदा जुड़ाव की ओर एक नपा-तुला बदलाव दर्शाता है। पिछले व्यापार समझौतों के विपरीत, जिनके कारण व्यापार घाटा बढ़ा था, भारत ने "प्रबंधित उदारीकरण" (Managed Liberalisation) का दृष्टिकोण अपनाया है, जिसमें टैरिफ कटौती को सुरक्षा उपायों, निवेश प्रतिबद्धताओं और सेवाओं के नेतृत्व वाली वृद्धि के साथ जोड़ा गया है।

भारत-न्यूजीलैंड मुक्त व्यापार समझौते की प्रमुख विशेषताएं

1. व्यापार उदारीकरण की प्रतिबद्धताएं

- **न्यूजीलैंड की प्रतिबद्धताएं:** भारतीय निर्यात के 100 प्रतिशत पर शून्य-शुल्क पहुंच और अपने 2.2 प्रतिशत के औसत टैरिफ का पूर्ण उन्मूलन।
- **भारत की प्रतिबद्धताएं:** 70 प्रतिशत टैरिफ लाइनों पर टैरिफ उदारीकरण, जो मूल्य के आधार पर न्यूजीलैंड के 95 प्रतिशत निर्यात को कवर करता है।
- **तत्काल शुल्क उन्मूलन:** लकड़ी, ऊन और भेड़ के मांस सहित 30 प्रतिशत टैरिफ लाइनों पर तत्काल शुल्क हटाना।

क्रमिक टैरिफ कटौती:

- प्रारंभ में 16.2 प्रतिशत से 13.18 प्रतिशत तक।
- 5 वर्षों के भीतर 10.3 प्रतिशत।
- 10वें वर्ष तक 9.06 प्रतिशत।

- घरेलू हितों की रक्षा के लिए, लगभग 30 प्रतिशत टैरिफ लाइनों को बाहर रखा गया है, जिसमें डेयरी उत्पाद, कुछ पशु उत्पाद, सब्जियां, बादाम और चीनी शामिल हैं—जो भारत के राजनीतिक और आर्थिक रूप से संवेदनशील डेयरी क्षेत्र की रक्षा करते हैं।

IAS-PCS Institute

2. सुरक्षा उपायों के साथ निवेश प्रतिबद्धता इसकी एक असाधारण विशेषता 15 वर्षों में निवेश में 20 बिलियन अमेरिकी डॉलर की सुविधा देने की न्यूजीलैंड की प्रतिबद्धता है, जो एक पुनर्संतुलन तंत्र (Rebalancing Mechanism) द्वारा समर्थित है। यदि निवेश सहमत समय सीमा के भीतर नहीं होता है, तो भारत के पास FTA लाभों को निलंबित करने का अधिकार सुरक्षित है, जो जवाबदेही से जुड़े व्यापार समझौतों की ओर एक बदलाव को चिह्नित करता है।

3. महत्वाकांक्षी सेवाएं और आवाजाही (Mobility) प्रावधान इस समझौते में भारत की अब तक की सबसे महत्वाकांक्षी सेवाओं की पेशकश शामिल है, जिसमें सूचना प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग, स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा और पेशेवर सेवाओं सहित 118 सेवा क्षेत्र शामिल हैं। मुख्य गतिशीलता प्रावधानों में शामिल हैं:

- भारतीय छात्रों पर कोई संख्यात्मक सीमा (Numerical Caps) नहीं।
- पढ़ाई के दौरान प्रति सप्ताह न्यूनतम 20 घंटे काम।
- विस्तारित पोस्ट-स्टडी वर्क वीजा:
  - STEM (विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित) स्नातकों के लिए 3 साल तक।
  - पीएचडी धारकों के लिए 4 साल तक।
- किसी भी समय 5,000 भारतीय पेशेवरों के लिए एक 'अस्थायी रोजगार प्रवेश वीजा', जो 3 साल तक के लिए वैध होगा, इसमें शामिल हैं:
  - आयुर्वेद, योग और प्राकृतिक चिकित्सा, यूनानी, सिद्ध और होम्योपैथी पेशेवर।
  - योग प्रशिक्षक।
  - भारतीय रसोइये (Chefs)।
  - आईटी, इंजीनियरिंग और स्वास्थ्य सेवा पेशेवर।
- युवा भारतीयों के लिए प्रतिवर्ष 1,000 'वर्किंग हॉलिडे वीजा'।

@resultmitra www.resultmitra.com 9235313184, 9235440806

4. व्यापार विस्तार और बौद्धिक संपदा मान्यता

- समझौते का लक्ष्य पांच वर्षों के भीतर द्विपक्षीय व्यापार को 2.4 बिलियन अमेरिकी डॉलर से बढ़ाकर लगभग 5 बिलियन अमेरिकी डॉलर तक दोगुना करना है।
- न्यूजीलैंड ने अपने भौगोलिक संकेत (GI) कानून में संशोधन करने की प्रतिबद्धता जताई है, जो पहले केवल वाइन और स्पिरिट के पंजीकरण की अनुमति देता था, ताकि भारत की वाइन, स्पिरिट और अन्य वस्तुओं के पंजीकरण की अनुमति दी जा सके, जिससे भारत का दर्जा यूरोपीय संघ के समान हो सके।

IAS-PCS Institute

भारत-न्यूजीलैंड मुक्त व्यापार समझौते का रणनीतिक महत्व

1. रणनीतिक आर्थिक पुनर्संतुलन: यह समझौता पारंपरिक एशियाई बाजारों से परे व्यापार भागीदारों के विविधीकरण के भारत के लक्ष्य का समर्थन करता है। यह भारतीय कंपनियों को प्रशांत द्वीप अर्थव्यवस्थाओं के लिए एक प्रवेश द्वार भी प्रदान करता है, जो बढ़ते रणनीतिक प्रतिस्पर्धा का क्षेत्र है। **2. संवेदनशील क्षेत्रों का संरक्षण:** डेयरी और अन्य संवेदनशील कृषि उत्पादों को भारत द्वारा पूरी तरह बाहर रखना, पिछले FTA अनुभवों से सीख लेते हुए, छोटे किसानों, सहकारी समितियों और ग्रामीण आजीविका की रक्षा पर एक दृढ़ रुख को दर्शाता है। **3. निर्यात प्रतिस्पर्धात्मकता और सेवाओं के नेतृत्व वाली वृद्धि:** कपड़ा, परिधान, चमड़ा, कालीन और ऑटोमोबाइल घटकों जैसे भारतीय क्षेत्रों को तत्काल शुल्क-मुक्त पहुंच प्राप्त होती है, जहाँ पहले टैरिफ 10 प्रतिशत तक थे। 118 सेवा क्षेत्रों तक विस्तारित पहुंच सेवाओं के निर्यात और पेशेवर गतिशीलता में भारत के तुलनात्मक लाभ को मजबूत करती है। **4. अंतर्निहित सुरक्षा उपायों के साथ प्रबंधित उदारीकरण:** अचानक टैरिफ उन्मूलन के बजाय, भारत ने अपनाया है:

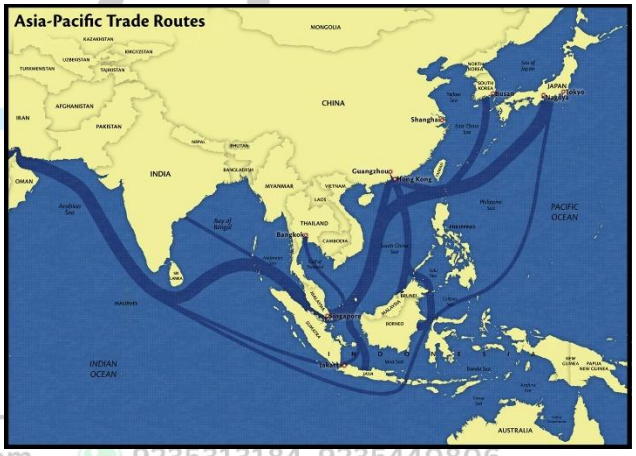

@resultmitra www.resultmitra.com 9235313184, 9235440806

- 10 वर्षों में क्रमिक टैरिफ कटौती।
- सेब, कीवीफ्रूट और वाइन जैसे संवेदनशील आयातों के लिए टैरिफ-रेट कोटा और मौसमी पहुंच। यह घरेलू उत्पादकों की सुरक्षा के साथ उपभोक्ताओं की पहुंच को संतुलित करता है। **5. दीर्घकालिक सहयोग के लिए ढांचा:** तात्कालिक व्यापार मात्रा से अधिक, यह समझौता इनके लिए संस्थागत बुनियादी ढांचा स्थापित करता है:
- एकीकृत आपूर्ति श्रृंखला।
- शिक्षा और कौशल भागीदारी।
- प्रवासियों (Diaspora) द्वारा संचालित आर्थिक संबंध।
- सतत निवेश आधारित विकास।

मुक्त व्यापार समझौतों (FTA) को समझना

एक मुक्त व्यापार समझौता देशों के बीच उनके बीच व्यापार की जाने वाली अधिकांश वस्तुओं और सेवाओं पर टैरिफ और गैर-टैरिफ बाधाओं को हटाने या काफी कम करने का एक समझौता है।

- तरजीही व्यापार समझौतों (PTA) के विपरीत, जो सीमित उत्पादों को कवर करते हैं, FTA का लक्ष्य लगभग कुल टैरिफ उन्मूलन (90-95 प्रतिशत) होता है।
- **उद्देश्यों में शामिल हैं:** टैरिफ में कमी, गैर-टैरिफ बाधाओं में कमी, सेवाओं के लिए बाजार पहुंच, और निवेश प्रवाह को बढ़ावा देना।

IAS-PCS Institute

भारत के FTA से जुड़ी प्रमुख चुनौतियां

संभावनाओं के बावजूद, भारत के FTA को संरचनात्मक चिंताओं का सामना करना पड़ता है:

- **घरेलू विनिर्माण को खतरा:** 2017 और 2022 के बीच FTA भागीदारों से आयात में 82 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जबकि निर्यात में केवल 31 प्रतिशत की वृद्धि हुई।
- **सेवाओं और गतिशीलता में सीमित लाभ:** वीजा प्रतिबंध, लाइसेंसिंग बाधाएं और श्रम बाजार संरक्षणवाद बने हुए हैं।
- **गैर-टैरिफ बाधाएं:** कड़े मानक, व्यापार में तकनीकी बाधाएं और जटिल प्रमाणन प्रक्रियाएं टैरिफ लाभों को कम कर देती हैं।
- **नीतिगत संप्रभुता पर प्रभाव:** बौद्धिक संपदा अधिकार, निवेश संरक्षण, सरकारी खरीद और पर्यावरण मानकों पर प्रावधान घरेलू नीति के दायरे को सीमित कर सकते हैं।

भारत के FTA की प्रभावशीलता में सुधार की रणनीतियां

- **रणनीतिक बातचीत:** वस्तुओं के बाजार तक पहुंच को सेवाओं और डिजिटल व्यापार में वास्तविक लाभ से जोड़ें।
- **संवेदनशील क्षेत्रों का संरक्षण:** टैरिफ-रेट कोटा, मौसमी टैरिफ और मजबूत एंटी-डंपिंग उपायों का उपयोग करें।

- **घरेलू प्रतिस्पर्धात्मकता को मजबूत करना:** लॉजिस्टिक्स, बंदरगाह दक्षता और डिजिटल बुनियादी ढांचे में सुधार करें। विनिर्माण को उन्नत करने के लिए 'उत्पादन लिंक्ड प्रोत्साहन' (PLI) योजनाओं का लाभ उठाएं।
- **नए युग के व्यापार तत्वों का लाभ उठाना:** हरित प्रौद्योगिकी साझेदारी को बढ़ावा देना। सुरक्षा उपायों के साथ सीमा पार डेटा प्रवाह को सक्षम करना। FTA को बाध्यकारी निवेश प्रतिबद्धताओं के साथ जोड़ना।
- **गैर-टैरिफ बाधाओं को संबोधित करना:** मानकों, स्वच्छता उपायों और पारस्परिक मान्यता समझौतों पर प्रवर्तनीय प्रावधानों को शामिल करना।

निष्कर्ष भारत-न्यूजीलैंड FTA भारत की व्यापार नीति में एक परिपक्व विकास का प्रतिनिधित्व करता है, जो उदारीकरण के साथ संरक्षण, निवेश जवाबदेही के साथ सेवाओं के विस्तार और आर्थिक व्यावहारिकता के साथ रणनीतिक संरेखण को संतुलित करता है। सेवाओं, कौशल और निवेश में अवसर खोलते हुए संवेदनशील क्षेत्रों की सुरक्षा करके, यह समझौता दीर्घकालिक विकास, क्षेत्रीय प्रभाव और लचीले आर्थिक एकीकरण के लिए एक स्थायी ढांचा प्रदान करता है।

UPSC मुख्य परीक्षा अभ्यास प्रश्न: प्रश्न: "भारत-न्यूजीलैंड मुक्त व्यापार समझौता विकसित अर्थव्यवस्थाओं के साथ भारत के 'प्रबंधित व्यापार उदारीकरण' की ओर बदलाव को दर्शाता है।" इस कथन का आलोचनात्मक परीक्षण कीजिए। समझौते की प्रमुख विशेषताओं, इसके रणनीतिक एवं आर्थिक महत्व और भारत के मुक्त व्यापार समझौतों से जुड़ी चुनौतियों पर चर्चा कीजिए। (250 शब्द)

IAS PCS Institute
Result Mitra
रिजल्ट का साथी
@resultmitra www.resultmitra.com 9235313184, 9235440806